



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 508]

नई बिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 20, 1990/कार्तिक 29, 1912  
No. 508] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 20, 1990/KARTIKA 29, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ भंस्या वी जाती है जिससे फियह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नागर विमानन मंत्रालय

प्रारूप नियम

अधिसूचना

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम बायुयान (—संशोधन)  
नियम, 1990 है—

2. बायुयान नियम, 1937 में नियम 61 के स्थान पर निम्नलिखित  
नियम रखा जाएगा, प्रथम:—

61. बायुयान अनुरक्षण इंजीनियरों का अनुशासन

(1) नियम 54 के प्रयोगन के लिए, केन्द्रीय सरकार व्यक्तियों  
को, बायुयान अनुरक्षण इंजीनियरों, प्राधिकरण या अनुसोदित व्यक्तियों की  
ईसियन में कार्य करने और बायुयान के सनिर्माण, मरम्मत, ग्रोवरहासिंग,  
और अनुरक्षण के संबंध में उन प्रमाणपत्रों पर, जो इन नियमों के अधीन  
महानियेशक द्वारा विभिन्न किए जाएँ या प्रयोगित हों, हस्ताक्षर करने के  
लिए, अनुशासितयां, प्राधिकार पत्र और अनुसोदन प्रदान कर सकेंगी।

(2) माध्यारं अपेक्षाएँ

(अ) बायुयान अनुरक्षण इंजीनियर अनुशासित जारी किए जाने के लिए  
प्रत्येक आवेदक निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करेगा:—

(क) आवेदक जी आयु 21 वर्ष से कम नहीं होगी।

2. किन्तु गिरे आक्षेपों या गुप्ताओं पर, जो ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की  
समाप्ति के पहले उक्त नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे,  
केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

3102 G1/90

(1)

(ख) आवेदक ने भौतिकी और गणित के साथ 10+2 परीक्षा या इंजीनियरी की किसी शाखा में तीन वर्ष का डिप्लोमा या इंजीनियरी की किसी शाखा में डिप्लोमा या गणराज्य परीक्षा उत्तीर्ण भी हो;

(ग) आवेदक के पास वायुयान अनुरक्षण इंजीनियरी के दोष में कम से कम 4 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव होना चाहिए।

परन्तु नेत्रीय राज्यांतर इंजीनियरी स्नातकों के लिए यन्त्रणा अपेक्षा में निम्नालिखित छूट दे सकती यदि वे युवानों प्रवर्गों में भागीदार अनुरक्षण इंजीनियर अनुशिष्ट परीक्षा में सम्मिलित होते हैं :

(1) प्रयोग क्रेम और इंजिनों के प्रश्नों में ऐसे इंजीनियरी स्नातकों के लिए 18 मास जिनके पास वैमानिक इंजीनियरी की डिप्लोमा हो;

(2) तोमे इंजीनियरी स्नातकों के लिए 12 मास जिनके पास वैमानिक और विशुल इंजीनियरी की डिप्लोमा हो;

(3) मुसंगत प्रवर्ग में ऐसे इंजीनियरी स्नातकों के लिए 12 मास जिनके पास इलैक्ट्रॉनिकी दूर संचार इंजीनियरी या अन्य सहायता वायुयानों में डिप्लोमा हो।

परन्तु यह और कि केन्द्रीय सरकार वैमानिक/वायिक/वा विद्युत/एलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी की डिप्लोमा देने वाली संस्थाओं के लिए विद्यार्थियों को सामान्य परीक्षा पत्रों से छूट दे सकती जिन्होंने अपने पाठ्यक्रम के बोरान वायुयान नियम, साधारण इंजीनियरी और कर्मशाला परीक्षा, उद्योग के सिद्धांत, वायुयान संरचना, अंतर्रक्षण इंजिनों के सिद्धांत वृनियावी इलैक्ट्रॉनिकी, वृनियावी संचार प्रणाली, विशुल प्रणाली और वायुयान उपकरण प्रणाली से संबंधित पेपर उत्तीर्ण लिए हों और उन पेपरों का पाठ्य विवरण सिविल विमान भवानिदेशालय द्वारा अनुमोदित हो। ऐसे विद्यार्थियों को 5700 विस्तोग्राम या उससे अधिक कुल भार के वायुयान/इंजिनों/वायुयान प्रणाली पर 24 मास का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करने के पश्चात और 5700 किलोग्राम से कम के कुल भार तक के वायुयान पर 12 मास के व्यवहारिक अनुभव के पश्चात टाइप रेटिंग अनुज्ञित परीक्षाओं में सम्मिलित होने की अनुकूली जा सकेगी।

परन्तु यह और भी कि केन्द्रीय सरकार ऐसे आवेदकों के मामले में जो ग्लाइडरों से संबंधित अनुशिष्ट परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं न्यूनतम अनुभव के मामले में दो वर्ष तक की छूट दे सकती।

परन्तु यह और भी कि केन्द्रीय सरकार ऐसे आवेदकों के संबंध में अनुभव के मामले में एक वर्ष की छूट दे सकती जिन्होंने महानिदेशालय द्वारा अनुमोदित संस्थानों में प्रशिक्षण समाप्तानप्रद पूरा कर लिया हो।

(आ) किसी विशिष्ट प्रवर्ग के लिए पूर्वतः विधिमान्य अनुज्ञित के विस्तार या अनुज्ञित के विस्तार या अनुशिष्ट में किसी प्रत्य प्रवर्ग को जोड़ने के लिए इच्छुक प्रत्येक आवेदक के पास उद्योग योग्यता अपेक्षाओं में महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट प्रवर्ग या प्रकार संबंधी पृष्ठों के सुमंगल अनुरक्षण अनुभव दोनों चाहिए।

(3) ये संबंध जिनकी वावत वायुयान अनुरक्षण इंजीनियरों के लिए अनुशिष्टों दी जा सकेंगी, निम्नलिखित होगी:—

(क) वायुयान को लागू अनुशिष्टों (किन्तु इंजिनों को छोड़कर जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार-II की अनुशिष्टों के अनुरूप हो) —प्रवर्ग क;

(ख) ऐसे वायुयानों की ओवरहॉलिंग को लागू अनुशिष्टों जिनका अधिकतम कुल भार 5200 विलो ग्राम से कम है विलु इंजिनों को (छोड़कर) जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार-I की अनुशिष्टों के अनुरूप हो) —प्रवर्ग ख;

(ग) इंजिनों को लागू अनुशिष्टों (जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार-II की अनुशिष्टों के अनुरूप हों) —प्रवर्ग ग;

(घ) गिर्दन, ऐसे इंजिनों की ओवरहॉलिंग भी लागू अनुशिष्टों (जिनका लक्षित विद्युतिका 500 वीं एक पी से अधिक न हो) जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार I की अनुशिष्टों के अनुरूप हो—प्रवर्ग घ;

(इ) वैधुत प्रणाली को लागू अनुशिष्टों (जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार II की अनुशिष्टों के अनुरूप हो) —प्रवर्ग इ;

(ट) उपग्राम प्रणाली को लागू अनुशिष्टों (जो अंतर्राष्ट्रीय गिविल विमान संगठन प्रकार II की अनुशिष्टों के अनुरूप हो) —प्रवर्ग ।;

(ष) रेडियो गंचार मार्गनिंदेशन और राज्यांतर प्रणाली को लागू अनुशिष्टों (जो अंतर्राष्ट्रीय गिविल विमान संगठन प्रकार II की अनुशिष्टों के अनुरूप हो) —प्रवर्ग द;

(ज) एविएंट्रोनिक्स प्रणाली या वायुयान को लागू अनुशिष्टों जहाँ वैद्युत उपकरण और रेडियो प्रणालीयों उक्त कम्प्यूटर प्रणाली के उपयोग के साथ समाकलित हैं (और उक्त नियन्त्रण का संचालन तार प्रौद्योगिकी द्वारा फलाई पर आधारित है) जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार II की अनुशिष्टों के अनुरूप हो)। प्रवर्ग 5;

(म) ऐसे उपकरण वैद्युत उपस्कर, रेडियो उपस्कर, वी. पी. नोट्स और स्वचालित पाइलेटों की ओवरहॉलिंग को लागू अनुशिष्टों जिन्हें ऐसे वायुयान में लगाया गया है (जिनका कुल भार 5700 किलोग्राम से कम हो) जो अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन प्रकार I की अनुशिष्टों के अनुरूप हों) —प्रवर्ग 10।

(4) उपनियम (3) में अन्तर्विष्ट किसी वाल के होते हुए भी माहक्रोलाइट वायुयानों को किसी भी ऐसे वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर प्रमाणित किया जा सकेगा जिसके पास यांत्रिकि प्रवर्ग क, प्रवर्ग ख, प्रवर्ग ग, प्रवर्ग घ या प्रवर्ग 10 की अनुज्ञित है।

(5) अनेक वायुयान अनुरक्षण इंजीनियरों की अनुशिष्टों के विशेषाधिकार निम्नलिखित होंगे :

(क) प्रवर्ग क, ग, घ, 1 द और 5 की अनुशिष्टों के लिए—

(i) संबंधित प्रवर्ग की अनुज्ञित में पृष्ठांकित वायुयान, इंजिन या प्रणालीयों की वायत उड़ान विसर्जन प्रमाणन;

(ii) निरीक्षण, महानिदेशक द्वारा अनुमोदित अनुरक्षण अनुशिष्टों के अधीन किया गया कार्य, महानिदेशक द्वारा अनुमोदित छोटी मरम्मत, महानिदेशक द्वारा अनुमोदित मरम्मत और संगठकों, पुर्जों का प्रतिस्थापन और संबंधित प्रवर्ग की अनुज्ञित से पृष्ठांकित वायुयान, इंगन या प्रणाली, जोसी भी स्थित हो, की वायत उनके निरीक्षण का लौगवक से प्रभाणन;

(ख) प्रवर्ग ख, घ और 10 की अनुशिष्टों के लिए—

(i) वायुयान, इंजिन, सांचित, उपस्कर या जिनका संबंधित प्रवर्ग की अनुज्ञित में पृष्ठांकन किया गया है की वायत महानिदेशक द्वारा अनुमोदित प्रक्रिया और तकनीक के अनुसार की गई ओवरहॉलिंग, मरम्मत, उपरक्तरण, परीक्षण या प्रतिस्थापन का प्रभाणन;

(ii) महानिदेशक द्वारा अनुमोदित मात्रिक के अनुसार और महानिदेशक द्वारा अनुमोदित गमय; और महानिदेशक द्वारा अनुमोदित स्थानों से अग्रिमात सामग्री से बने संगठकों और पुर्जों के समिति का प्रभाणन, जबकि उसे अनुज्ञित में विनिर्दिष्ट स्थ से अप्रतिक्रियत कर किया गया हो।

## (8) प्राधिकार प्रमाणपत्र का जारी किया जाना :—

केन्द्रीय सरकार किसी नए वायुयान, ईजिन, प्रणाली या उपस्कर की किसी भद्र, जिसे भारत में लाया गया है और जो अनुज्ञात की परिधि के अन्तर्गत नहीं आती यी आवश्यक अनुरक्षण का प्रमाणपत्र या उड़ान नियंत्रण प्रमाणपत्र या दोनों प्रमाणपत्र जारी करने के लिए वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर की अनुमति के धारक को प्राधिकार प्रमाणपत्र दे सकती है :

परन्तु ऐसा अनुमोदन तब तक प्रदान नहीं किया जाएगा जब तक कि—

- (1) केन्द्रीय सरकार का यह समाधान नहीं हो जाता है तिएसी धारक के पास पर्याप्त प्रणिदान और अनुभव है, और
- (2) ऐसे धारक ने ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और उड़ान योग्यता अपेक्षाओं से संबंधित महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसा सबूत प्रमुख कर दिया है ।

## (7) अनुमोदन पत्र का जारी किया जाना—

केन्द्रीय सरकार किसी वायुयान, ईजिन, प्रणाली संगठक, उपकरण, उपसाधन या उपस्कर की कोई भद्र जिसके अन्तर्गत महानिदेशक द्वारा अनुमोदित प्रतिक्रिया के अनुसार किए गए निरीक्षण अनुरक्षण, औवरहालिंग, मरम्मत उपकरण, या परीक्षण के पश्चात् रेडियो उपस्कर भी है, की आवश्यक अनुरक्षण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए महानिदेशक द्वारा अनुमोदित किसी संगठन में नियोजित किसी आवेदक को अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक के पास पर्याप्त ज्ञान और अनुभव है तथा उसने सिविल उड़ान योग्यता अपेक्षाओं से संबंधित महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट परीक्षा पास कर ली है अनुमोदन पत्र दे सकती है ।

## (8) सक्षमता प्रमाणपत्र

केन्द्रीय सरकार अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक के पास सक्षमता और कुशलता है और उसने महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली है किसी वायुयान की उड़ान योग्यता को प्रमाणित करने वाली किसी विशेष प्रक्रिया को कार्य रूप देने के लिए महानिदेशक द्वारा अनुमोदित फर्म में नियोजित किसी व्यक्ति को सक्षमता प्रमाणपत्र प्रदान कर सकती है ।

(9) वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर की अनुमति प्रदान करने या उसके विस्तार के लिए आवेदक विनियोगित को समाविट करने वाले परीक्षण उत्तीर्ण करेगा—

(क) लिखित परीक्षा,

(ख) मौखिक परीक्षा,

(ग) समुचित व्यवहारिक परीक्षा :

परन्तु भारतीय वायु सेना या भारतीय नी सेना या भारतीय थल सेना की वायु संस्था विवर के किसी ऐसे व्यक्ति को जो महानिदेशक के समाधानपत्र ऐसा सबूत पेश करता है कि उसके पास आवश्यक अनुभव, सक्षमता और तकनीकी प्रवृत्तियां का स्तर है, केन्द्रीय सरकार इसे उपनियम में निर्दिष्ट परीक्षणों या उनके किसी भाग से छूट दे सकती है ।

परन्तु यह और कि केन्द्रीय सरकार, आवेदक को उग्र विनिर्दिष्ट परीक्षणों या उसके किसी भाग से उस शर्तों के अधीन जिन्हें वह थीक समझे, उस व्यापार में छूट दे सकती जब आवेदक के पास वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर की है सिवल में कार्य करने के लिए किसी ऐसे विवेदी राज्य के निर्मित सशम प्राधिकारी द्वारा प्रदान अनुमति है जो अभिसमय का प्रधाकार है ।

(10) जो आवेदक उक्त परीक्षणों में से किसी में असफल रहता है, उसे समुचित धोने में जिसकी महानिदेशक उसे सूचना दें, तीन मास का या अन्य ऐसी किसी शर्ताधीन प्राधिकार प्राप्त नहीं के प्रत्यान है, ऐसे परीक्षणों में गम्भीरता दी जाएगी ।

## (11) विधिमान्यता :

(क) अनुज्ञातियों, जब तक कि वे रह या निश्चित म कर दी जाए, उनमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए, प्रत्येक सामने में दो वर्ष की प्रधिकरण अवधि के अधीन रहते हुए, विधिमान्य वर्षी रहेगी, और आवेदन किए जाने पर 2 वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नवीकृत की जा सकेगी, परन्तु यह तब जब कि अनुज्ञाति के नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती दो वर्ष के बीचन, उसका धारक काम से कम कुल छह मास की अवधि तक थैमानिक इंजीनियरी के नवीन्यों पर साधारण गया हो, जो या तो व्यावहारिक अनुरक्षण, या मरम्मत या औवरहालिंग के रूप में हो अथवा पर्याप्त विनियम में हो या वायुयान के प्रवालक कमीदल के सदस्य के रूप में हो ।

(ख) ऐसी अनुज्ञाति का जो दो वर्ष से अधिक की अवधि तक समाप्त रही है केवल तभी नवीकरण किया जाएगा जब आवेदक ने निविल उड़ान योग्यता अपेक्षाओं के संबंध में महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट परीक्षण उत्तीर्ण कर लिए हों ।

(ग) प्राधिकार प्रमाण-पत्र अनुमोदन और सक्षमता प्रमाणपत्र छह मास से अधिक अवधि के लिए विधिमान्य रहेंगे जब तक कि उन्हें रह या निश्चित न कर दिया जाए और केन्द्रीय सरकार उनका और आगे छह मास तक विस्तार कर सकती परन्तु तब जब आवेदक पूर्ववर्ती छह महीनों में दो मास तक लगातार उस काम में सक्षम रहता है ।

(12) किसी विशिष्ट प्रवर्ग में अनुज्ञात वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर, उन नियम (13) के उपवर्गों के अधीन रहते हुए, उस प्रवर्ग की आवश्यक उत्तरात योग्यता अपेक्षाओं से विनियम होगा ।

(13) इस नियम के अधीन प्रदान की गई प्रत्येक अनुज्ञातिक में उस वायुयान के उस प्रकार या उन प्रकारों का तथा थैमानिकी इंजीनीरों, उपकरणों, उपसाधनों या उपस्कर का, जिनकी संभाल करने में अनुज्ञातिधारक सक्षम है, विनियोग होगा और उसमें वे निर्वन्धन भी हो सकेंगे जो काम के किसी विशिष्ट वर्ग के संबंध में कार्य करने की उसकी धारणा की परिसीमित करें, और केन्द्रीय सरकार किसी भी समय ऐसे विनियोगों या निर्वन्धनों में परिवर्तन कर सकती है ।

(14) नियम 19 के उप नियम (3) के उपवर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, केन्द्रीय सरकार, ऐसी जांच के पश्चात् जैसी वह थीक समझे, और सुनवाई का युक्तिवृक्ष अवसर देने के पश्चात् इस नियम के अधीन प्रदान की गई किसी अनुज्ञाति प्राधिकार प्रमाणपत्र, अनुमोदन या सक्षमता प्रमाणपत्र को तब रह निश्चित या पूर्णांकित कर सकती जब उसका समाधान हो जाता है कि—

(क) धारक ने ऐसा कोई काम किया है या कोई प्रमाण-पत्र ऐसे किसी काम के बारे में दिया है जो सावधानी से या सक्षम रीति से संपादित नहीं किया गया है ; या

(ख) धारक ने ऐसे किसी विषय के बारे में जिसके संबंध में कार्य करने के लिए वह अनुज्ञात नहीं है, किसी प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं ; या

(ग) किसी अन्य कारण से यह अव्याधिनीय है कि धारक इस नियम के अधीन अनुशृत अपने विशेषाधिकारों का प्रयोग करता रहे ।

(15) केन्द्रीय सरकार, यदि किसी काम से ऐसा करना बांधनीय रूप से, अनुज्ञाति, प्राधिकार प्रमाण-पत्र, अनुमोदन या सक्षमता प्रमाण-पत्र की मंजूरी या नवीकरण रोक सकती ।

पाद टिप्पण:—मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 1, तारीख 27 मार्च, 1937 का आवधूचना स. 26 तारात्म 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित था।

आदि म उनका निम्नालिखित द्वारा संशोधन किया गया:

- (1) का. न. आ. 1567 तारीख 6 रितम्बर, 1952;
- (2) सा. का. न. तारीख 24 मई, 1957;
- (3) सा. का. न. 772 तारीख 2 जून, 1962; और
- (4) सा. का. न. 1739 तारीख 26 नवम्बर, 1976।

## MJINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 20th November, 1990

G.S.R. 918(E).—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required under section 14 of the said Act, for information of a persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of 45 days from the date of which the Gazette copies containing the publication of this notification are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said rules before the period specified above will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. These rules may be called the Aircraft (—Amendment) Rules, 1990.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for rule 61, the following rule shall be substituted, namely :—

#### “61. Licensing of Aircraft Maintenance Engineers

(1) For the purpose of rule 54, the Central Government may grant licences, Authorisations and Approvals to persons to act in the capacity of Aircraft Maintenance Engineers, Authorised or Approved persons and to sign in connection with construction, repair, overhaul and maintenance of aircraft such certificates as may be prescribed by the Director General or required under these Rules.

#### (2) General Requirements

(A) Every applicant for the issue of Aircraft Maintenance Engineer's licence shall satisfy the following requirements :

- (a) The applicant shall be not less than 21 years of age.
- (b) The applicant must have passed 10+2 examination with Physics and Mathematics or three years diploma in any branch of engineering or degree in any branch of engineering or equivalent examination;
- (c) The applicant shall possess a minimum practical experience of four years in the field of aircraft maintenance engineering.

Provided that the Central Government may grant relaxation with respect to the minimum requirement for engineering graduates, if they appear in Aircraft Maintenance Engineer's licence examination in the relevant categories as under :

- (i) Engineering graduates holding aeronautical engineering degree by 18 months in the categories of airframe and engines;
- (ii) Engineering graduates holding degree in mechanical and electrical engineering by 12 months;
- (iii) Engineering graduates holding degree in electronics/telecommunications engineering or other allied disciplines by 12 months in the relevant category.

Provided further that the Central Government may grant exemption from general papers to such students of engineering institutions awarding degree in Aeronautical/Mechanical or Electrical/Electronics engineering as have passed during their course papers on Aircraft Rules, general engineering and workshop practices, theory of flights, aircraft structures theory of internal combustion engines, basic electronics, basic communication system electrical systems and aircraft instrument systems, with syllabi approved by Director General of Civil Aviation. Such students may be allowed to appear for type rated licence examination after gaining 24 months practical experience on aircraft/engines/systems of aircraft of all up weight of 5,700 Kg. or above and after 12 months practical experience on aircraft with all up weight below 5,700 Kg.

Provided also that the Central Government may relax the minimum experience requirement by a period of two years for applicants appearing for licence examinations on gliders.

Provided also that for applicants who have satisfactorily completed training in institutes approved by Director General, the Central Government may relax the experience requirements by one year.

(B) Every applicant for the extension of a licence already valid for a particular category, or for addition of another category in his licence, shall possess maintenance experience relevant to the category or type endorsement specified by the Director General in the Civil Airworthiness Requirements.

(3) The categories in respect of which licences for Aircraft Maintenance Engineers may be granted shall be as follows :—

- (a) licences applicable to aircraft but excluding engines (conforming to International Civil Aviation Organization Type II licences)—Category A;
- (b) licences applicable to overhaul of aircraft having maximum all up weight below 5700 kgs. but excluding engines (conforming to International Civil Aviation Organisation Type I licences)—Category B;
- (c) licences applicable to engines (conforming to International Civil Aviation Organisation Type II licences)—Category C.

- (d) licences applicable to overhaul of pistons, engines with the power rating not exceeding 500 BHP (conforming to International Civil Aviation Organisation Type I licences)—Category D;
- (e) licences applicable to electrical systems (conforming to International Civil Aviation Organisation Type II licences)—Category E;
- (f) licences applicable to instruments systems including autopilots (conforming to International Civil Aviation Organisation Type II licences)—Category II;
- (g) licences applicable to radio communication navigation and radar system (conforming to International Civil Aviation Organisation Type II licences)—Category R;
- (h) licences applicable to avionics systems of aircraft where electrical instruments and radio systems are integrated with the use of advanced computer system and the operation of flying control is based on fly by wire technology (conforming to International Civil Aviation Organisation Type II licences)—Category V;
- (i) licences applicable to overhaul of instruments, electrical equipment, radio equipment, V. P. propellers and autopilots as installed on aircraft with all up weight below 5700 kgs. (conforming to International Civil Aviation Organisation Type I licences)—Category X.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) microlight aircrafts may be certified by any Aircraft Maintenance Engineer, holding a licence in category A, category B, category C, category D or category X as the case may be.

(5) The privileges of the various Aircraft Maintenance Engineer's licences shall be as follows :

- (a) For licences in categories A, C, E, I, R and V,—
  - (i) certification of flight release in respect of aircraft, engine or systems endorsed in the licence in the respective category;
  - (ii) certification in the logbook of inspection, work done under maintenance schedule approved by the Director General, minor repairs approved by the Director General, modifications approved by the Director General, and replacements of components parts and inspection thereof in respect of aircraft, engine or systems as the case may be, endorsed in licence in the respective category.
- (b) For licences in categories B, D and X,—
  - (i) certification of overhaul, repairs, modifications, tests or replacements effected in accordance with the procedures and techniques approved by the Director

General, in respect of Aircraft, engines, instruments, equipment or endorsed in the licence in the respective category;

- (ii) certification of the construction of components and parts fabricated in accordance with drawings approved by the Director General and from materials approved by the Director General and obtained from sources approved by the Director General unless specifically excluded in the licence.

#### (6) Issue of Authorisation.

The Central Government may grant Authorisation to the holder of an Aircraft Maintenance Engineer's Licence to issue a certificate of maintenance or a certificate of flight release or of both, in respect of any new aircraft, engine system or items of equipment which have been brought into India and which are not within the scope of his licence.

Provided that no such approval shall be granted unless,—

- (i) the Central Government is satisfied that such holder has sufficient training and experience, and
- (ii) such holder has passed such examination and furnished such evidence specified by the Director General in the Civil Airworthiness Requirements.

#### (7) Issue of Approvals.

The Central Government may grant approval to an applicant employed in an organisation approved by the Director General to issue a certificate of maintenance in respect of an aircraft, engine, system component, instrument, accessory or item of equipment including radio equipment after inspection, maintenance, overhaul, repair, modification or test performed in accordance with the procedures approved by the Director General upon being satisfied that the applicant has sufficient knowledge, experience and has passed such examinations as specified by Director General in the Civil Airworthiness Requirements.

#### (8) Certificate of Competency.

The Central Government may grant a Certificate of competency to an applicant employed in a firm approved by Director General to perform specialized processes which may affect the airworthiness of an aircraft, upon being satisfied that the applicant has competency and skill and has passed such examinations prescribed by Director General.

(9) An applicant for grant or extension to an aircraft maintenance engineers licence shall undergo tests which may consist of :

- (a) written examination,
- (b) oral examination,
- (c) approval practical test.

Provided that any person from Indian Air Force or Indian Navy or Air Operational Wing of Indian Army who produces evidence to the satisfactions of the

Director General that he possesses necessary experience, competency and standard of technical proficiency, may be exempted by the Central Government from any of the tests or part thereof referred to in this sub rule.

Provided further that the Central Government may subject to such conditions as it may deem fit, exempt any applicant from any of the tests or part thereof referred above if the applicant holds a licence granted by a competent authority of a foreign state party to the convention to act in the capacity of Aircraft Maintenance Engineer.

(10) An applicant who fails in any of the above tests shall be permitted to appear again for such tests only after acquiring additional experience of three months or such other period in the appropriate field as may be intimated to the applicant by the Director General.

(11) Validity.

- (a) Unless cancelled or suspended, licences shall be valid for the period specified therein, subject to a maximum period of 2 years in each case, and may thereafter be renewed by the Central Government for another 2 years on application provided that during 2 years preceding the date of application for the renewal of the licence the holder has been engaged or a period totaling at least six months in aeronautical engineering either in practical maintenance or repair or overhaul or in a supervisory capacity or as a member of operating crew of an aircraft.
- (b) licence which has remained expired for a period in excess of two years shall be renewed only after the applicant has passed such tests as prescribed by the Director General in the Civil Airworthiness Requirements.
- (c) Authorisations, approvals and certificates of competency shall remain valid, unless cancelled or suspended, for a period not exceeding 6 months and may be extended by the Central Government for a further period of 6 months provided the applicant has been continuously engaged in the performance of the task for two months within the preceding six months.

(12) An Aircraft Maintenance Engineer licensed in a particular category shall, subject to the provisions

of sub rule (13), be competent to deal with the matters specified in sub rule (5) in respect of the category of licence which he holds.

(13) Every licensee granted under this rule shall specify the type or types of aircraft, aero engines, instruments, accessories or equipment which the licensee is competent to deal with, and may contain restrictions limiting his competence to deal with any particular class of work, and the Central Government may at any time vary such specifications or restrictions.

(14) Without prejudice to the provisions of sub rule (3) of rule 19, the Central Government may after such inquiry as it may deem fit and after giving a reasonable opportunity of being heard, cancel, suspend or endorse any licence, authorisation, approval or certificate of competency granted under this rule where it is satisfied that,—

- (a) the holder has performed work or granted a certificate in respect of work which has not been performed in a careful and competent manner or;
- (b) the holder has signed a certificate in respect of any matter which he is not licensed to deal with, or
- (c) it is undesirable for any other reason that the holder should continue to exercise his privileges granted under this rule.

(15) The Central Government may withhold the grant or renewal of a licence, authorisation, approval or certificate of competency if for any reason it considers it desirable to do so.

[F. No. AV. 11012/7/90-A]  
P. K. BANERJI, Jt. Secy.

Foot Note.—The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937 in the Gazette of India, Part I dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by :

- (i) SRO 1567 dated 6th Sept., 1952;
- (ii) GSR dated 24th May, 1957;
- (iii) GSR 772 dated 2nd June, 1962; and
- (iv) GSR 1739 dated 26th November, 1976.